राधा अउर बाघ

राधा अउर बाघ

Pooja Jagasia, Neha Rajpara, Riddhi Doda & Shikha Anandkat
Illustration: Teresa Antony
Voice: Aditi Balan

This book was made possible with the generous support from LatentView Analytics

Baiga
India

http://creativecommons.org/licenses/by-nc/4.0/
आप व्यावसायिक उपयोग के लिए इस काम का प्रयोग नहीं कर सकते। आप इस काम के अनुकूल कर सकते हैं और इसमें जोड़ सकते हैं। आपको लेखकों, चित्रकारों, आदि के लिए कॉपीराइट और आभार देना चाहिए।

मूल से लिया गया, *Radha and the Tiger*, Copyright © 2020, Chetana Charitable Trust Chennai, India
www.chetana.org.in। CC BY-NC 4.0 के अंतर्गत लाइसेंस
Special thanks to our moms: Bharathi Maniar & Jayshree Tanna

राधा कर परिचय- राधा कर दुईठन बेनी राहय। ओ डोंगर पाखा कर गांव म राहत राहय।

अक दिन सांझ कर समय म
राधा अपन संघवारी संग गुठा
म आमा टोडत राहँय। तो उन
अवाज सुनिन। ओ तुरते
अक आमा ले अपन खिसा
म राहख लैईस अउर
ठडयाय रहिस।

ओखर संघवारी घला ओ अवाज ले सुनिन अउर सफ्फो जरासिन कर लाइक चुप्पे राहँय। अवाज बड़ते गईस। ओखर संघवारी कछु लाठी उठाईन अउर भागिन। "राधा भग, बाघ आयहे।"

पर राधा उँहे ठडयाय गईस अउर सुनत राहय। हई दाम ओ साफ साफ सुनिस- अक लरम अउर दुखवारे अवाज ले सुनिस। ओ सोचिस,‘डारा म कुछु अड़ज गैहे’। ओ बिगर डर्राय ओ डोंगर म भग गईस।

राधा माटी म गोड कर खोज ले देखिस अउर डर्रा गईस। काईन आखा पाखा म कोही आईग आहय? पर ओ फेर रोयके अवाज ले सुनिस अउर समझ गईस क ओले आगू जायेले अछा होही।

जब ओ अपन कोड़ा म अक जानवर छवा ले आनत राहय तो ओ अपन संघवारी ले चिखरत सुनत राहय। ओखर संघवारी ओले बचायके नाने लाठी पकड़के आवत राहँय। “मोय बाग मिल गैहे।” कथै अउर हसथै।

उन सफ्फोझन ताली बजाय लागिन अउर हसे लागिन। उन अपन नवा संघवारी संग खेलै। अउर राधा जोन आमा ले अपन खिसा म राहख राहय ओले घला बाटिन।

Made with Bloom®